नीलम

नीलम की विशेषता

नीलम रत्न का **पंच महारत्नों** में प्रमुख स्थान है। यह **शनि रत्न** किसी भी व्यक्ति का अचानक भाग्य बदलने में **सकारात्मक भूमिका** निभाता है। यह फकीर को भी **करोड़पति** बनाने में सक्षम है। नीलम का नकारात्मक प्रभाव भी पड़ता है, इसे सावधानी से **धारण** करना चाहिये और यदि किसी तरह की **प्रतिकूलता** लगे तो शीघ्र परामर्श लेकर उपाय करें।

नीलम के लाभ

यह सभी **रत्नों** में सबसे शीघ्र फल **प्रदायक** है, इसे धारण करने से **आर्थिक स्थितियों** में बहुत ही तेजी से सुधार होता है, **व्यापार वृद्धि, पदोन्नति लाभ** आदि प्राप्त होता है। यह **पॉजटिव ऊर्जा** का स्रोत है। यह शत्रुओं की बुरी दृष्टि से रक्षा करता है अर्थात यह **सुरक्षात्मक** भी है। यह **पाचन तंत्र** को **सुदृढ़** करता है, आरोग्य शक्ति में वृद्धि और **एकाग्रता** का कारण है। यह **कानून क्षेत्र** में कार्यरत व्यक्ति के लिये अति लाभकारी है।

नीलम कौन धारण करें

शनि ग्रह प्रधान व्यक्ति को **नीलम** धारण करना चाहिये। **जन्म लग्न में शनि दुर्बल, वक्री** या **अस्त** हो तो **नीलम धारण** करें। यदि शनि की अन्तर्दशा चल रही हो तो निश्चय ही **नीलम धारण** करें। शनि की **साढ़ेसाती** में नीलम धारण करें, जिनका **जन्म मूलांक आठ** हो उनके लिये **श्रेष्ठ रत्न** है। **मेष, वृष, तुला, वृश्चिक लग्न** वालों के लिये **नीलम भाग्यवर्धक** है। **मकर** व **कुम्भ राशि** वालो के लिये यह **जीवनी शक्ति रत्न** है।

मंत्रों द्वारा प्राण प्रतिष्ठित नीलम रत्न न्यौछावर राशि ₹ 5100/-